ddd

ifrd fpUg

कर्क राषि का राषि चक्र में चौथा स्थान है। षरीर में कर्क राषि का स्थान हदय पर है। कर्क राषि का स्वरूप केकड़े समान है।

LFkku

इस राषि का निवास स्थान जलसंचित किनारे पर रहता है, जैसे– तालाब, नदी का किनारा, छोटे जलाषय आदि। यह राषि जलचर कहलाती है। इसका वर्ण सफेद होता हैं।

LoHkko

इस राषि का जातक जलविहारी, कामान्ध व कृतज्ञ होता है। ज्योतिष, पुरातत्व आदि विषयोंपर वे ज्यादा रूचि रखते है। इस राषि के जातक जिस किसी काम को दिल से करना चाहे तो कर ही लेते हैं। इनका जीवन एक जैसा नहीं होता है। इनकी विचार करने की षक्ति बहुत प्रबल होती है। इनकी प्रकृति बहुत चंचल होती है। यह जातक सभी से मिल जुलकर तथा मेल मिलाप करना पसंद करते हैं। इनका क्रोध जल्दी षांत भी हो जाता है।

इस राषि का जातक जल यात्रा प्रेमी होता है, जल यात्रा यानि समुद्र, नदि, तालाब आदि में नाव, जहाजों से यात्रा करना व अपना षौक पूरा करना इनका प्राकृतिक स्वभाव है। कर्क राषि के जातक में उत्साह खूब भरा रहता है और कोई भी अच्छा कार्य नीतिनियम ही करता है। किसी कठिन परिस्थितीयों में दुसरों को सहायता करना विषेष रूप से स्त्री वर्ग को सहायता

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 0731-6461235, 6461236. www.ivaindia.com

करना इनका स्वभाव है। ऐसे व्यक्ति आदर्ष, सचेतन, भावुक तथा निष्ठावान होते है। अपने कुटुंब, घर, माता–पिता, अपने देष को प्रेम करनेवाले होते है। यह जातक जितने सुषील, षान्त, दयालु, भावुक तथा निष्ठावान होते है उतने ही बिना कारण के क्रोधित, चिड़चिड़े एवं विचारषून्य भी हो सकते है। कभी–कभी अपने स्वार्थ के लिए एक विक्षिप्त के जैसे कार्य करने को उत्तेजित भी हो जाते हैं।

इस राषि के जातक आर्थिक दृष्ट्या परिपूर्ण और संपन्न रहते हैं। तेज एवं चंचल बुध्दी के कारण वे धन इकट्ठा करने मे समर्थ रहते है। अनेक से अनेक कठिनाइयों को पार करके वे धनअर्जित कर लेते है। इनके पास अच्छे विचार बहुत सारे होते हैं, परंतु उन विचारों का क्रियान्वयन करने की योग्यता इनमे कम रहती है। कृषि के क्षेत्र में इनकी रूचि ज्यादा रहती है। कृषि क्षेत्र यानि फसलों की पैदावार, इसमे बीज की बुआई करके कड़ी मेहनत करना तथा बहुत समय के उपरांत उस मेहनत का फल पाना यानि फसल की पैदावार प्राप्त करना एक कड़ी तपस्या करने के समान है किन्तु इस सारी प्रक्रिया मे जुट जाना व फल की प्राप्ती करना इस राषि के जातकों का स्वभाव है।

वे जलयात्रा के षौकिन होते हैं, परंतु कभी–कभी उनको जल का भय भी उत्पन्न होता है और उससे इनको पेट की बीमारियाँ होने की सम्भावना रहती है। यह जातक विनोदी स्वभाव के होते हैं। इस स्वभाव के कारण वह अपने मित्रगण, परिवार एवं नजदिक वालों मे प्रिय होते हैं। वे किसी के भी हित में ही सोचते है। वे महत्वाकांक्षी तथा दयालु भी होते हैं। इनका हदय कोमल होता है।

ये जातक संदेहास्पद स्वभाव के भी होते हैं। कभी–कभी इनकी बुद्धि अस्थिर तथा विचल हो जाती है। इससे उनको असन्तुष्टता का भी सामना करना पडता है। कभी कभी इनको यात्रा में नुकसान का भी भय होता है। इस राषि के जातक किसी को सहानुभूती पूर्वक मदद करेंगे तो दिल से करेंगे। इस जातक का षरीर सुगठित, गौर वर्ण और स्वस्थ होता है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 0731-6461225, 6461236. www.vaindia.com

वे कोई भी कार्य समयानुसार करता है। समय के ये बड़े पाबंद रहते हैं। कर्क राषि के जातक राज्याधिकारी, अनूठी तथा दुर्लभ वस्तुओं का संकलन करना व उसे संभालकर रखना, पुरातत्व वस्तुओं का प्रेमी, प्राध्यापक तथा जलप्रेमी होते हैं, इस कारण वह नाविक के पद पर कार्य करना पसंद करता है। इसका दिमाग कल्पनाषील तथा परिश्रमी होता है। कर्क राषि के जातक भावनात्मक, सचेतन तथा दुसरों के दर्द को समझने वाले होते हैं। कभी कभी ये जातक ज्यादातर सचेतन स्वभाव के भी हो जाते है। अपने परिवार, मित्रगण तथा समाज में इस राषि के जातक अतिप्रिय हो जाते हैं। राजभक्त, सच्चा, अनुरागी स्वभाव का यह जातक सभी को साथ लेकर व सभी में सम्मिलीत हो जाता है।

इसके जातक बालस्मृती में जाकर अपनी बाल्यावस्था का अनुकरण भी करते हैं। कभी कभी ये जातक तत्वज्ञानी भी बन जाते है। दुसरों का उपहास सहित अनुकरण भी ये जातक करते हैं। ये जातक विनोदी, साहित्यिक तथा कलात्मक दृष्टि से विद्वान होते हैं। इस राषि के जातक परंपरावादी, साम्प्रदायिक, समझदार तथा किसी भी समय सावधानी बरतना इनके लक्षण होते हैं।

o.k

कर्क राषि का वर्ण ब्राह्मण है। ब्राह्मण वर्ण होने के कारण जातक को ज्ञान के प्रति समर्पित भाव रहता हैं। जातक दूसरों का भला करने की चाह रखता है। ऐसे जातक ज्ञान के भंडार होते है और ज्ञान के कारण संसार में मान–सम्मान भी प्राप्त करते है।

rRo

कर्क राषि का तत्व जल है। जल तत्व होने के कारण जातक सौम्य स्वभाव का होता

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 0731-4061335, 64

है। जल के प्रति वो जीवन में आगे बढ़ना पसंद करता है किंतु आगे क्या होने वाला है उसके प्रति मन में भयभीत रहता है। जल के भांती जातक हर अवस्था में स्थितिनुसार ढलने की क्षमता रखता है।

fyx

कर्क राषि स्त्री राषि है। कर्क राषि स्त्री राषि होने के कारण जातक के स्वभाव में कोमलता रहती हैं। जातक में सेवाभाव की भावना रहती है। जातक संवेदनषील भी रहता हैं।

fLFkjrk

कर्क राषि एक अस्थिर है। अस्थिर राषि होने के कारण कर्क राषि के जातक जो निर्णय लेते हैं उस पर अस्थिर रहते हैं। जातक का स्वभाव चंचल होता है। वे एक कार्य, स्थान इत्यादि पर ज्यादा देर नहीं रह पाते है।

'kjhj esa vax@fcekjh;k

षरीर की बिमारीयों का विचार करे तो इस राषि के जातकों के फेफड़े थोड़े कमजोर होते हैं। वे नषीली पदार्थों का सेवन करने के आदि भी बन जाते है, जिससे षरीर में कमजोरी उत्पन्न होती हैं। उदर की बिमारीयाँ जैसे पाचन क्रिया मंद होना तथा नेत्रदृष्टि के दोष भी इस जातक में होते हैं। इनका स्वभाव चिन्ताग्रस्त होने के कारण कुछ बिमारीयों से भी ग्रस्त हो जाते हैं। जैसे–ज्यादातर जातकों में उदर यानि पेट संबंधी बिमारीयां उत्पन्न हो सकती है। यह जातक स्त्री वर्ग में आकर्षित रहता है च मित्र प्रिय भी होता है।

O;olk;

कर्क राषि के अधिकतम जातक व्यापार, व्यवसाय उद्योगधंदे से जुड़े होते हैं। आयात

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 07316461235, 6461236. www.ivaindia.com

निर्यात का व्यवसाय ये जातक कमीषन के रूप में करते है। व्यवसाय में ट्रेडिंग का व्यवसाय भी वे करते हैं। किसी भी वस्तु, पदार्थ को तैयार करके बेचने का निर्माण कार्य भी ये जातक करते हैं। छोटे–बड़े उद्योगों मे वे लिप्त रहते हैं। उद्योगपती बनकर इसके जातक जरूरतमंदो को रोजगार भी उपलब्ध कराते हैं।

कर्क राषि में जन्मे जातक जल यानि पानी से प्राप्त मोती अथवा अन्य वस्तुओं का व्यापार में विषेष लाभ प्राप्त करते हैं। इस क्रय–विक्रय की कला में वे बहुगुणी होते हैं। इस व्यापार में इन जातकों को अच्छे प्रमाण में धन की प्राप्ती भी होती है। इस धन का वह सदुपयोग भी करते है। यह जातक इतना धन प्राप्त करने के बाद भी सदाचारी व षुध्दचित्त वाले रहते हैं। सदाचारी, सुदृढ, स्वस्थ षरीर वाले होने के बावजूद वे घमंड नहीं करते।

किसी एक क्षेत्र में वे प्रख्यात रहते हैं। गूढ़ विद्या के वे ज्ञाता है। ललित कला प्रेमी भी होते हैं। पंडित, ज्योतिषी, षास्त्रज्ञ, वैद्य, इंजिनियर आदि क्षेत्रों में वे पारंगत रहते हैं। बौद्धिक रूप से व्यापार–व्यवसाय करना इनका प्राकृतिक स्वभाव गुण रहता है।

f l g

ifrd fpUg

इस राषि का प्रतिक चिन्ह सिंह के समान यानि जंगल का राजा है। जंगल के सभी पषुओं के उपर राज करनेवाला। जैसा नाम वैसा ही काम इस राषि के जातक का है। इस राषि के जातक हमेषा राजा, प्रमुख एवं रिंग लीडर का ही रोल निभाते है। इनके प्राकृतिक स्वभाव में ही यह गुण है। राजा में जो गुण होते है, जैसे प्रजा के साथ अच्छा न्याय करना, सबको अपने हक दिलाना, किसी को अन्याय की खाई मे नही फेंकना आदि बहुत सारी बातें इन जातकों में है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore Ph: 0731-6461235, 6461236 www.ivaindia.com